30/05/2020 (Pedagogy of Commerce) B.Ed. Ist Year

(Text-Book Method)

पाठ्य-पुस्तक ज्ञान को पूर्णतया: एकालित रूप मे प्राप्त करने का बड़ा उपयोगी साधन है। इसके अतिरिक्त मौखिक पाठ लम्बा, जटिल और कठिन भी हो सकता है। पाठ्य-पुस्तक मे विषय सामग्री को विद्यार्थियो के लिए क्रमबद्ध तथा तर्कसंगत ढंग से व्यवस्थित किया जाता है। इसलिए इनसे सभी आवश्यक बातो की प्राप्ति हो जाती है, तथा समस्याओ व योजनाओ को क्रियान्वित करने तथा चर्चा करने की योग्यता प्राप्त हो जाती है।

Advantage of Text Book

(1) विद्यार्थियो की आवश्यकताओ की पूर्ति करती है। पाठ्य-पुस्तके विद्यार्थियो की सीमाओ को ध्यान मे रखकर उनके दृष्टिकोण से लिखी जाती है। अत: वह सरल भाषाओ के उपयोग, शीर्षको, उपशीर्षको, प्रश्नो, चित्रो मानचित्रो अन्य सामग्री द्वारा उनकी आवश्यकताओ की पूर्ति करते है।

(2) पाठ्यपुस्तके ऐसा आधार प्रदान करती है, जिससे अध्ययन, विश्लेषण रेखांकन तथा संक्षेप करने की कला सीखी जा सकती है। इस प्रकार यह एक सामान्य प्रयोगशाला का रूप ग्रहण करती है। जिससे अध्ययन कौशलो का विकास हो सकता है। जिससे विद्यार्थियो को घर मे स्वंय बैठकर स्वतन्त्र रूप से अध्ययन करने की आदत पडती है।

(3) पाठ्य-पुस्तक किसी विषय या क्षेत्र का सही ज्ञान संगठित रूप मे पर्याप्त मात्रा मे प्रदान करती है। इसमे विषय का नवीनतम वर्णन, तर्क संगत तथा क्रमबद्ध रूप मे होता है।

(4) मानदण्डो पर प्रकाश डालना तथा उन्हे स्थापित करना।

(5) ऐतिहासिक तथा सामयिक घटनाओ के बारे मे दृष्टिकोण प्रस्तुत करना।

(6) मानव सम्बन्धो के बारे मे सामग्री प्रस्तुत करना। सामाजिक अध्ययन की पाठ्य पुस्तके हमारे उस वातावरण तथा मूल्यो व सिद्धान्तो का सही-2 वर्णन करती है। जो हमारे कार्यो का मार्ग दर्शन करते है।

Scanned with CamScanner

Characteristics of Good Text Book

(1) क्रमबद्धता ← पाठ्य पुस्तक मे जो भी ज्ञान हो वे मनोवैज्ञानिकता के आधार पर क्रमबद्ध होना चाहिए। विषय का सही-2 ज्ञान प्रदान करती हो। विषय क्षेत्र का सही ज्ञान संगठित रूप मे पर्याप्त माला मे प्रदान करती है। इसमे विषय का नवीनतम वर्णन तर्कसंगत तथा क्रमबद्ध रूप से होना है।

(2) त्रुटिहीन ← पाठ्य पुस्तक त्रुटीहीन होनी चाहिए। उसमे प्रिंटिंग या व्याकरण सम्बन्धी किसी भी प्रकार की गलती नही होनी चाहिए।

(3) सरल एवं स्पष्ट ← पाठ्य पुस्तक की भाषा बोधगम्य होनी चाहिए। वह सरल एवं स्पष्ट भाषा मे होनी चाहिए। जिससे छात्रो को किसी प्रकार कोई समस्या नहो। पाठ्य पुस्तक की भाषा मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा होनी चाहिए।

(4) उपयुक्त शिक्षण सामग्री ← पाठ्य पुस्तक मे उचित शिक्षण सामग्रीयो का प्रयोग होना चाहिए। वह सरल भाषाओ के उपयोग, शीर्षको, उपशीर्षको, चित्रो, प्रश्नो, मानचित्रो अन्य सामग्री द्वारा छात्रो की आवश्यकताओ की पूर्ति करती है।

(5) छात्रो के स्तरो के अनुसार ← पाठ्य पुस्तक छात्रो के स्तरो के अनुसार होनी चाहिए। वह छात्रो के ज्ञान, उम्र, रुचि आदि के अनुरूप होनी चाहिए। पाठ्य-पुस्तके विद्यार्थियो की आवश्यकताओ की पूर्ति करती हो। पाठ्य-पुस्तके विद्यार्थियो की सीमाओ को ध्यान मे रखकर उनके दृष्टिकोण से लिखी जानी चाहिये।

(6) उद्देश्यपूर्ण ← पाठ्य-पुस्तके शिक्षण के उद्देश्य को पूर्ण करती हो। अनावश्यक सामग्री नही होनी चाहिये।

7.) पाठ्य पुस्तक मे नवीन ज्ञान का पूर्ण रूप से उपयोग होना चाहिए।

8.) पाठ्य-पुस्तक N.C.E.R.T. से प्रमाणित होनी चाहिये।

Scanned with CamScanner

(९) अनुक्रमणिका / सन्दर्भ ग्रन्थ सूची पूर्ण → ← पाठ्य पुस्तक मे सम्मिलित किये जाने वाले सभी तथ्यो की सूची आवश्यक रूप से होनी चाहिए! अनुक्रमणिका के अभाव मे पाठ्य पुस्तक एक अच्छी पाठ्य पुस्तक नही कहलाती है!

(१०) मजबूत एवं आकर्षक → ← पाठ्य पुस्तक मजबूत होनी चाहिये! तथा उसका कवर सुन्दर एवं आकर्षक होना चाहिये!

(११) मितव्ययी → ← पाठ्य पुस्तक आर्थिक रूप से मितव्ययी होनी चाहिये! उसकी कीमत ज्यादा नही होनी चाहिए!

Complete

Scanned with CamScanner